प्रेरणा
यदि जीवन में लोकप्रिय होना हो तो सबसे ज्यादा 'आप' शब्द का, उसके बाद 'हम' शब्द का और सबसे कम 'मैं' शब्द का उपयोग करना चाहिए।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 15 NOVEMBER TO 21 NOVEMBER 2024 • VOLUME 17 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

कांग्रेस ने गरीबी हटाने के नाम पर गरीबों को लूटा : पीएम मोदी

बोले- वोट पाने के लिए देश के साथ कर रहे खिलवाड़

मुंबई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनवेल में विशाल जनसभा संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र को विकसित भारत के विजन का नेतृत्व करना है, बीजेपी और महायुति इसी संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। अपने संबोधन की शुरूआत में मोदी ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे एक बार फिर रायगढ़ की इस मिट्टी को फिर से नमन करने का अवसर मिला। रायगढ़ से मेरा एक आत्मीय और भावात्मक संबंध है। उन्होंने कहा कि 2013 में जब भाजपा ने मुझे पीएम पद का उम्मीदवार बनाया था, तब मैंने रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया था।

मोदी ने कहा कि 23 तारीख को जो नतीजे आने वाले हैं, उसकी गारंटी यहां दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें स्वराज की शपथ दिलाई थी। हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वराज के साथ-साथ सुराज के संकल्प को आगे बढ़ाना है। स्वराज का ये संकल्प तब पूरा होगा जब हमारा गरीब आगे बढ़ेगा। इस संकल्प की सिद्धि का काम केवल भाजपा और महायुति सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने तो हमेशा गरीब को गरीब बनाए रखने के एजेंडे पर ही काम किया है। पीढ़ी दर पीढ़ी ये लोग केवल गरीबी हटाओ का झूठा नारा देते रहे। गरीबी हटाओ के नारे के नाम पर कांग्रेस ने गरीबों को ही लूट लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए मेरा गरीब, जिंदगी की मुश्किलों से बाहर नहीं आ पाया। आजादी के 70 साल बाद भी देश के ज्यादातर लोग रोटी, कपड़ा और मकान पाने के लिए जूझते रहे। पिछले 10 वर्षों में पहली बार ये हालात बदले हैं। पहली बार कोई सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाई है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार की नीतियां आज शोषितों और वंचितों की ताकत बन रही है। जो काम 10 साल में हुए, वो काम पहले भी हो सकते थे। लेकिन कांग्रेस की सरकारों की मंशा ही नहीं थी कि गरीब आगे आकर अपना हक मांगे। इसलिए आज भी कांग्रेस गरीबों के लिए कल्याण की हर योजना का जमकर विरोध करती है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि जो 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, उन्हें मुफ्त राशन क्यों मिल रहा है। कांग्रेस चाहती है कि इन लोगों का खर्च बढ़े और ये फिर से गरीबी में चले जाएं। अगर अघाड़ी वालों को मौका मिला तो ये महाराष्ट्र में यही करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां वे गरीबों को मुफ्त राशन देने पर हमसे सवाल कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस के एक मंत्री ने हिंदुओं, मुसलमानों और घुसपैठियों को भी मुफ्त सिलेंडर देने की घोषणा की है। वे खुलेआम रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को मुफ्त सिलेंडर देने की घोषणा कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमुख उदाहरण है कि वोट पाने के लिए वे किस तरह देश और आपके बच्चों के भविष्य के साथ खेल खेल रहे हैं।

बढ़ते प्रदूषण के बीच दिल्ली-एनसीआर में जीआरएपी-3 आज से लागू : सीएक्यूएम

नई दिल्ली. दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर स्तर तक गिर जाने के कारण वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शुक्रवार से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण 3 को लागू करने का निर्णय लिया है। जब जीआरएपी-3 प्रभावी रहेगा तो निर्माण और विध्वंस रोक दिया जाएगा, सभी गैर-आवश्यक खनन गतिविधियों को निलंबित कर दिया जाएगा, गैर-इलेक्ट्रिक, गैर-सीएनजी और गैर-बीएस-छह डीजल अंतरराज्यीय बसें प्रतिबंधित कर दी जाएंगी और स्कूलों को सुझाव दिया गया है दिल्ली-एनसीआर में कक्षा 5 तक बंद रहेगा।

अधिकारिक बयान में बताया गया है कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता की और गिरावट को रोकने के लिए चरण एक और दो के तहत सभी कार्रवाइयों के अलावा 15 नवंबर की सुबह 8:00 बजे से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में जीआरएपी के चरण तीन को लागू करने का निर्णय लिया है। जीआरएपी-3 उपायों के तहत वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) राज्य सरकारों को सलाह देता है।

एनसीआर और जीएनसीटीडी में पांचवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए स्कूलों में शारीरिक कक्षाएं बंद करने और ऑनलाइन मोड में कक्षाएं संचालित करने पर निर्णय लिया जा सकता है क्योंकि जीआरएपी-3 उपाय लागू किए जाएंगे। जीएनसीटीडी आवश्यक वस्तुओं को ले जाने/आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वालों को छोड़कर, दिल्ली के बाहर पंजीकृत बीएस-3 और इससे नीचे के डीजल-संचालित एलसीवी (माल वाहक) को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देगा। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली का एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) इस सीजन में पहली बार 'गंभीर' श्रेणी में गिरने के ठीक एक दिन बाद गुरुवार सुबह 428 तक पहुंच गया, जिससे निवासियों के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

उपचुनाव से पहले निगरानी बढ़ाने व आचार संहिता के उल्लंघन पर कार्रवाई के निर्देश

पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी ने की डिप्टी कमिश्नरों व एसएसपीज के साथ बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी सिबिन सी ने पंजाब विधानसभा की चार सीटों 10-डेरा बाबा नानक, 44-चब्बेवाल (एससी), 84-गिद्दड़बाहा और 103-बरनाला के उपचुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को गुरदासपुर, होशियारपुर, श्री मुक्तसर साहिब और बरनाला के डिप्टी कमिश्नर-कम-ज़िला चुनाव अधिकारियों और एसएसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की।

सिबिन सी ने जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रग्स, शराब, नकदी और अन्य सामान की अवैध तस्करी पर रोक लगाने के लिए निगरानी और बढ़ाई जाए और मतदान के दौरान अगर मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी और सामान बांटने की शिकायत मिलती है तो इस पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए मतदान से पहले के 48 घंटे से लेकर चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक चौकसी बढ़ाने, चेक पोस्ट पर सख्ती बरतने और बाहरी लोगों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। मुख्य चुनाव अधिकारी ने जिला चुनाव अधिकारियों से रीयल-टाइम निगरानी के लिए सभी मतदान केंद्रों की 100% लाइव वेबकास्टिंग सुनिश्चित करने और मतगणना हॉल में उचित प्रबंध करने को कहा। सिबिन सी ने मतदान कर्मियों की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर भोजन, आवास की उचित व्यवस्था करने और ठंड से बचने के लिए आवश्यक उपायों की समीक्षा भी की। इसके अलावा उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए पेयजल, प्रतीक्षा क्षेत्र, उच्च गुणवत्ता के शौचालय और अन्य सुविधाओं के समय पर प्रबंध पूरे करने के भी निर्देश दिए।

20 को गुरदासपुर, बरनाला, होशियारपुर, श्री मुक्तसर साहिब में स्थानीय छुट्टी

राज्य के चार विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनावों के मद्देनजर, पंजाब सरकार ने गुरदासपुर, होशियारपुर, श्री मुक्तसर साहिब और बरनाला सहित चार जिलों के अधीन आने वाले सरकारी कार्यालयों, बोर्डों/निगमों और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में 20 नवंबर, 2024 को स्थानीय छुट्टी की घोषणा की है। यह छुट्टी पंजाब सरकार द्वारा नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट, 1881 के तहत घोषित की गई है। उल्लेखनीय है कि राज्य के चार विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होंगे जिनमें 10-डेरा बाबा नानक, 44-चब्बेवाला (एस.सी.), 84-गिद्दड़बाहा और 103-बरनाला शामिल हैं। पंजाब सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना में यह भी निर्देश दिया गया है कि जो भी सरकारी कर्मचारी, इन चार विधानसभा क्षेत्रों का मतदाता है और पंजाब सरकार के कार्यालयों, बोर्डों या निगमों और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत है, वह संबंधित प्राधिकरण को अपना मतदाता कार्ड प्रस्तुत करके 20 नवंबर, 2024 को अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए विशेष अवकाश के लिए आवेदन कर सकता है। यह अवकाश अधिकारी/कर्मचारी की निर्धारित छुट्टियों में से नहीं काटी जाएगी।

रिश्वत लेने के आरोप में सिपाही, पंजाब होम गार्ड व उनके साथी पर भ्रष्टाचार का केस दर्ज

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने थाना अबोहर शहर, जिला फाजिल्का में तैनात सिपाही रजिंदर कुमार (नंबर 1293/फाजिल्का), पंजाब होम गार्ड (पी.एच.जी.) के वॉलंटियर रवि कुमार (नंबर 7064/डी) 6वीं बटालियन और उनके साथी सागर वर्मा निवासी गांव डंगर खेड़ा, फाजिल्का के खिलाफ 25,000 रुपये रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। इस मामले में सिपाही रजिंदर कुमार और उसके साथी सागर वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है, और ब्यूरो की टीमें तीसरे आरोपी की तलाश कर रही हैं।

विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त दोनों कर्मचारियों और उनके साथी के खिलाफ यह मामला विजय कुमार निवासी ढाणी करनैल सिंह, तहसील अबोहर द्वारा मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार विरोधी हेल्पलाइन पर दर्ज कराई गई शिकायत की जांच के बाद दर्ज किया गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि जांच के दौरान शिकायतकर्ता द्वारा दी गई रिकॉर्डिंग्स की पुष्टि से यह साबित हुआ कि उक्त आरोपियों ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी और रिश्वत प्राप्त की थी। इससे यह सिद्ध हो गया कि रिश्वत की राशि मांगने और लेने में उक्त दोनों कर्मचारी और उनका साथी आपस में मिले हुए थे। इस रिपोर्ट के आधार पर उपरोक्त तीनों आरोपियों के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना फिरोजपुर रेंज में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है।

यूके आधारित जबरन वसूली सिंडिकेट सहित दो गिरोहों का पर्दाफाश

डीजीपी गौरव यादव ने कहा- पंजाब पुलिस ने राज्य में विदेशी समर्थन वाले अपराधों पर लगाम लगाते हुए फिरौती और गोलीबारी की 14 वारदातों का सफलतापूर्वक खुलासा किया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/जालंधर

अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों को बड़ा झटका देते हुए, जालंधर ग्रामीण पुलिस ने 10 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर यूके आधारित जबरन वसूली सिंडिकेट समेत दो अलग-अलग आपराधिक गिरोहों को नष्ट कर दिया है। पुलिस टीमों ने उनसे 7 पिस्तौल, 18 जिंदा कारतूस और 10 मैगजीन बरामद की हैं। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। पुलिस टीमों ने गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के पास से अपराध गतिविधियों में इस्तेमाल की जा रही एक टोयोटा कोरोला एल्टिस कार, जुपिटर स्कूटर, प्लेटिना मोटरसाइकिल और एक्टिवा स्कूटर को भी जब्त किया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता लगा है कि यह सिंडिकेट सरहद पार से संचालित होता था और इसके मुख्य संचालक यूके, ग्रीस और मनीला से पंजाब में फिरौती और गोलीबारी की वारदातों का निर्देश देते थे। इसके अतिरिक्त जालंधर ग्रामीण पुलिस ने मध्य प्रदेश से चल रहे हथियार खरीद नेटवर्क का भी पर्दाफाश किया है। उन्होंने कहा कि दो मॉड्यूल को नष्ट करने के साथ, पंजाब पुलिस ने फिरौती और गोलीबारी की कम से कम 14 घटनाओं को सफलतापूर्वक ट्रेस किया है, जिससे राज्य में विदेशी समर्थन प्राप्त अपराधों पर काफी हद तक लगाम लगी है। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे की जांच की जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जालंधर ग्रामीण : हरकमल प्रीत सिंह खख ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया कि पहली सफलता तब मिली जब थाने लोहियां के एसएचओ यादविंदर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गिद्दड़पिंडी हाईटेक टोल प्लाजा के पास एक टोयोटा कोरोला एल्टिस (पीबी-65-एच-9100) को रोका और कार की तलाशी के दौरान दो .32 बोर की पिस्तौल, छह जिंदा कारतूस और पांच मैगजीन बरामद कर तीन संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमनदीप सिंह उर्फ अमन निवासी बिल्ला बड़ेच, जगविंदर सिंह उर्फ शनि निवासी मूलेवाल खहिरा और जसकरण सिंह उर्फ सारा निवासी सिद्धवां दोना के रूप में हुई है।

एएनटीएफ को नशाखोरी की समस्या से निपटने के लिए मिली अत्याधुनिक स्पोर्ट सर्विसिज़ यूनिट

डीजीपी ने कहा- वित्तीय लेनदेन और नशा तस्करी की प्रोफाइलों का विश्लेषण करेगी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की संचालन क्षमता को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने एएनटीएफ मुख्यालय में नई स्थापित अत्याधुनिक स्पोर्ट सर्विसिज़ यूनिट (एसएसयू) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डीजीपी पंजाब के साथ विशेष डीजीपी ए.एन.टी.एफ. कुलदीप सिंह, विशेष डीजीपी आंतरिक सुरक्षा आर.एन. ढोके, ए.डी.जी.पी ए.एन.टी.एफ. नीलभ किशोर और ए.डी.जी.पी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.) प्रमोद बान भी उपस्थित थे। डीजीपी गौरव यादव ने अपने एक्स हैंडल (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में बताया कि आधुनिक तकनीक और उन्नत खुफिया क्षमताओं से लैस #ए.एन.टी.एफ. अब #पंजाब के भविष्य को नशीले पदार्थों की चपेट से बचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह विशेष यूनिट नशीले पदार्थों से जुड़े डेटा, संचार, वित्तीय लेनदेन और तस्करी की प्रोफाइलों का विश्लेषण करते हुए ए.एन.टी.एफ. की क्षमता को अधिक सटीक और प्रभावी जानकारी के साथ मजबूत करेगी। यह सुविधा डीजीपी पंजाब द्वारा 11 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित ए.एन.टी.एफ. की इंटेलिजेंस एंड टेक्निकल यूनिट (एस.आई.टी.यू.) के उद्घाटन के कुछ महीनों बाद स्थापित की गई है। यह इकाई नशे से संबंधित डेटा, संचार, सोशल मीडिया के रुझानों, वित्तीय लेनदेन और तस्करों की विस्तृत प्रोफाइलिंग के बारीकी से विश्लेषण के लिए तैयार किए गए आधुनिक सॉफ्टवेयर सिस्टमों से लैस है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि 1.28 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित की गई स्पोर्ट सर्विसिज़ यूनिट में अत्याधुनिक सुविधाएं हैं, जिसमें अपग्रेडेड कार्यालय क्षेत्र और आधुनिक बुनियादी ढांचा शामिल है।

'आप' के महेश खींची बने नगर निगम दिल्ली के नए मेयर

नई दिल्ली. दिल्ली में मेयर चुनाव के नतीजे आ गए हैं। एमसीडी में एक बार फिर से आम आदमी पार्टी का मेयर बन गया है। 'आप' उम्मीदवार महेश खींची ने दिलचस्प मुकाबले में भाजपा उम्मीदवार किशन लाल को तीन वोटो से हराया है। दरअसल, गुरुवार को दिल्ली नगर निगम में मेयर डिप्टी मेयर पद के चुनाव हुए। मेयर पद के लिए कुल 265 वोट पड़े जिनमें से दो वोटो को अमान्य कर दिया गया। आप उम्मीदवार महेश खींची को जहां 133 वोट मिले वहीं भाजपा उम्मीदवार किशनलाल को 130 वोट से संतोष करना पड़ा। ऐसे में दिल्ली में 7 महीने की देरी के बाद नया मेयर मिल गया है।

थप्पड़कांड पर बवाल, घटना के एक दिन बाद निर्दलीय उम्मीदवार गिरफ्तार

जयपुर. राजस्थान के टोंक जिले से निर्दलीय विधायक उम्मीदवार नरेश मीना को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। नरेश मीना ने उपचुनाव के दौरान कैमरा क्रू के सामने एक सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट को कथित तौर पर थप्पड़ मारा था। गिरफ्तारी के विरोध में नरेश मीना के समर्थकों ने समरावता गांव के बाहर स्टेट हाईवे पर आगजनी की। निर्दलीय चुनाव लड़ रहे कांग्रेस के बागी नरेश मीना ने मालपुरा के एसडीएम अमित चौधरी का कॉलर पकड़ लिया और थप्पड़ मार दिया। उनियारा निकटतम स्थान होने के कारण समरावता गांव को देवली के बजाय उनियारा उपमंडल में शामिल करने की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया था। नरेश मीना ने कहा कि सुबह 9 बजे मुझे सूचना मिली कि इस गांव ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया है। अधिकारी ने बहिष्कार खत्म करने के लिए दो लोगों से जबरदस्ती वोट करवाया। जब मैंने लोगों से मतदान करने का आग्रह किया तो कहा गया कि जब तक कलेक्टर आकर आश्वासन नहीं देंगे तब तक पीछे नहीं हटेंगे। भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरा प्रशासन भाजपा सरकार के निर्देश पर काम कर रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि एसडीएम ने तीन लोगों को डरा धमकाकर जबरन वोट डलवाया।

परिवार संग घूमने की हो रही है प्लानिंग, फैमिली हॉलिडे के लिए भारत की बेस्ट डेस्टिनेशन

FUTURE TECHNOLOGY

परिवार के साथ घूमने-फिरने का अपना अलग मजा है। अगर आप भी अपने परिवार के साथ घूमने फिरने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो यहां देखिए फैमिली हॉलिडे के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन...

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

अगर आप अपनी बिजी लाइफ से ब्रेक लेकर परिवार के साथ घूमने के लिए जाना चाहते हैं लेकिन इस कंफ्यूजन में हैं कि कौन-सी जगह अच्छी रहेगी तो यहां हम आपको कुछ डेस्टिनेशंस के बारे में बता रहे हैं जहां आप अपने वेकेशन के लिए जा सकते हैं। इन जगहों पर घूमने का अलग मजा है।

गिर, गुजरात

गिर ऐसी जगह है जो कभी जूनागढ़ के नवाब की निजी शिकारगाह हुआ करती थी। शक्तिशाली एशियाई शेर गिर राष्ट्रीय उद्यान में देखने को मिलेंगे। इसके अलावा यहां पर विदेशी जानवर और पक्षी जैसे भारतीय तेंदुआ, सुनहरा सियार, धारीदार लकड़बग्घा, ब्लैकबक, चिंकारा, और बोनेली ईगल और अजगर भी देखने को मिल सकते हैं। यहां जंगल सफारी का अलग मजा है।

उदयपुर, राजस्थान

अगर आप राजघरानों की झलक देखना चाहते हैं, तो ऐतिहासिक शहर उदयपुर छुट्टियां बिताने के लिए बेस्ट है। सिटी पैलेस, सज्जनगढ़ मानसून पैलेस और जगमंदिर जैसी जगहों पर जाएं। अगर आपके परिवार के सदस्य फोटोग्रफी के शौकीन हैं तो इस जगह पर जा सकते हैं।

गोवा

गोवा नवंबर के महीने में जाने के लिए बेस्ट प्लेस है। परिवार के साथ समय बिताने के लिए इस जगह पर बहुत कुछ है। शाम के समय ढलते सूरज और सुबह के समय उगते सूरज को देखना वाकई में दिलचस्प होगा।

जम्मू और कश्मीर

जम्मू और कश्मीर को 'स्विट्ज़रलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता है। अगर आपके परिवार के लोगों को बर्फबारी या फिर बर्फ से ढके पहाड़ पसंद हैं तो इस जगह पर जाकर मन को बहुत शांति और सुकून मिलेगा। परिवार के साथ यहां पर आप कई एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं।

शिलांग, मेघालय

शिलांग भी एक बेहद सुंदर जगह है। घाटियों, नदी, जंगल, झील, झरने शहर की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं। अगर परिवार के लोग प्राकृतिक प्रेमी हैं तो इस जगह पर जरूर जाएं। यहां की सुंदरता देख आपका मन खुश हो जाएगा।

MORNING ROUTINE

लक्जरी हैंडबैग्स नहीं होंगे जल्द खराब, ऐसे करें सफाई और देखभाल

अपने पर्स या हैंड बैग के बिना आप घर से बाहर नहीं निकलतीं। पर, क्या पर्स की देखभाल पर थोड़ी-सी भी मेहनत करती हैं? कैसे करें पर्स की सही देखभाल ताकि वो दें सालों तक साथ, बता रही हैं एक्सपर्ट।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

हैंड बैग्स या पर्स सिर्फ एक एक्सेसरीज भर नहीं हैं। ये हम महिलाओं की एक ऐसी दोस्त है, जिसमें हम अपनी पूरी दुनिया समेटकर चलते हैं। हैंड बैग्स कई दफा हमारी पर्सनैलिटी को भी बयां करते हैं। आपके पास चाहे डिजाइनर हैंड बैग्स का एक बड़ा-सा कलेक्शन हो या फिर एक साधारण-सा टोट बैग, उनकी सही देखभाल से आप सालों तक न सिर्फ अपने स्टाइल में इजाफा कर सकती हैं बल्कि अपने पसंदीदा पर्स को एकदम नए जैसा भी रख सकती हैं। पर्स की देखभाल में किन बातों का रखें ध्यान।

डस्ट बैग का करें इस्तेमाल

अपने पसंदीदा हैंड बैग को लंबे समय तक इस्तेमाल करना चाहती हैं, तो इस दिशा में पहला और सबसे जरूरी कदम है डस्ट बैग का इस्तेमाल। डस्ट बैग एक तरह का बैग होता है, जिसमें पैक करके अधिकांश लग्जरी और थोड़े ज्यादा कीमत वाले हैंड बैग ग्राहकों को बेचे जाते हैं। डस्ट बैग की खासियत यह होती है कि इससे आपका हैंड बैग धूल, मिट्टी और छोटे-छोटे कीड़ों से बचा रहेगा। आप अपने हैंड बैग के लिए अलग से भी डस्ट बैग खरीद सकती हैं, पर इसे खरीदते वक्त सामग्री का खास ध्यान रखें। प्लास्टिक वाले डस्ट बैग से दूर रहें क्योंकि प्लास्टिक के कारण आपके हैंड बैग को नुकसान पहुंच सकता है। हमेशा कॉटन या फिर ऐसे ही किसी प्राकृतिक फैब्रिक से बना डस्ट बैग चुनें। बाजार पर पारदर्शी डस्टबैग भी उपलब्ध हैं।

हैंड बैग को न बनाएं कूड़ा घर

नियमित इस्तेमाल में आने वाले हैंड बैग में हम सब नियमित इस्तेमाल वाले कई सामान रखते चले जाते हैं। पर, नियमित अंतराल पर हैंड बैग से बेकार के सामान को हटाना अधिकांश लोगों की आदत का हिस्सा बन ही नहीं पाता है। नतीजा, बैग के आकार का बिगड़ना। इस समस्या से बचने के लिए नियमित अंतराल पर बैग के सभी कंपार्टमेंट की साफ-सफाई करना अपनी आदत में शामिल करें। ऐसा करने से बैग का भीतर वाला हिस्सा और फैब्रिक न सिर्फ साफ-सुथरा रहेगा बल्कि एक बैग से दूसरे बैग में अपने सामान को शिफ्ट करने में भी आपको आसानी होगी।

बैग का सुरक्षा चक्र

हैंड बैग की देखभाल सिर्फ उसकी साफ-सफाई तक ही सीमित नहीं है। कुछ चीजों से अपने हैंड बैग को बचाकर भी आप उसकी उम्र बढ़ा सकती हैं। क्रीम वाले हाथों से बैग को ना छुएं। ऐसा करने से आपके बैग पर हाथ के निशान लग सकते हैं। अगर कभी क्रीम या ग्रीस का दाग लग जाए तो सूती कपड़े से रगड़कर इन्हें साफ करें। पानी से बैग साफ ना करें। ध्यान रखें कि बैग में मेकअप का सामान या खाने की चीज लीक ना हो। परफ्यूम भी आपके हैंड बैग को नुकसान पहुंचा सकता है। हैंड बैग को पानी के संपर्क में आने से भी बचाएं। पानी आपके हैंड बैग के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है।

बैग को भी लेने दें सांस

घर से निकलते वक्त आपको जो भी सामान जरूरी लगता है, आप उसे अपने हैंड बैग में ठूंसती चली जाती है। पर, इस क्रम में कभी यह सोचा है कि बैग पर इसका क्या असर पड़ता है? हैंड बैग में लंबे समय तक बहुत ज्यादा सामान ठूंसकर रखने से बैग का आकार बिगड़ जाता है। ऐसा करने से बैग के बाहरी हिस्से पर जहां क्रैक पड़ने लगता है, वहीं भीतर की कपड़े की लाइनिंग फटने लगती है। हैंड बैग में बहुत ज्यादा सामान रखने का नकारात्मक असर जिप पर भी पड़ता है। अपने हैंड बैग की उम्र बढ़ाने के लिए उसमें सामान ठूंसने से बचें। बैग को भी सांस लेने दें ताकि वह लंबे समय तक आपका साथ दे।

ये भी रखें ध्यान

बटर पेपर और बबल रैप हैंड बैग को सही आकार में रखने में मदद करते हैं, लेकिन अखबारों से दूर रहें। जब बैग्स का इस्तेमाल न हो रहा हो, तो इसे डस्ट बैग में रखना बेहतर होगा। प्लास्टिक बैग्स में लपेटने की भी गलती न करें। वैसे महंगे बैग्स अकसर डस्ट बैग्स के साथ आते हैं।

बैग्स की समय-समय पर सफाई भी बहुत जरूरी होती है, लेकिन लग्जरी बैग्स को वर्रॉशग मशीन में साफ न करें। एक मुलायम कपड़े की मदद से इन्हें साफ करें। हार्ड केमिकल्स से बचें क्योंकि ये बैग की सतह को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अपने बैग को पानी के नुकसान और दाग से बचाने के लिए एक सुरक्षात्मक स्प्रे का इस्तेमाल करें। यह बैग और किसी भी संभावित दाग के बीच में बैरियर का काम करेगा। अगर बैग उपयोग में नहीं है, तो उसे ऐसी किसी जगह पर न रखें, जहां सीधी धूप से उस पर पड़े। ज्यादा देर तक धूप के संपर्क में रहने से बैग का रंग फीका पड़ सकता है। बैग को हमेशा नुकीली चीजों से दूर रखें।

रेस्टोरेंट जैसे परफेक्ट कोफ्ते नहीं बनते तो इन टिप्स को फॉलो करें, बनेंगे परफेक्ट

घर के बने कोफ्तों में वो बाहर वाला स्वाद नहीं आता है तो इन टिप्स को फॉलो करें। कोफ्ते बिल्कुल नर्म और स्वादिष्ट बनकर तैयार होंगे।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

कोफ्तों का स्वाद लाजवाब लगता है लेकिन जब भी घर में बनाने चलती है तो रेस्टोरेंट जैसा नहीं बनता। कभी कोफ्ते सख्त हो जाते हैं तो कभी टूटकर बिखर जाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो कोफ्ते बनाते वक्त इन छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करें। बिल्कुल परफेक्ट बनकर होंगे तैयार।

- अगर आप कोई नॉनवेज कोफ्ता बनाने जा रही हैं तो उसे मुलायम बनाने के लिए एक या दो ब्रेड को पानी में डालें। एक मिनट बाद पानी से निकालकर पानी को अच्छी तरह से निचोड़ दें। अब इस ब्रेड को कोफ्ता के मिश्रण में अच्छी तरह से मिलाएं और कोफ्ता तलें। कोफ्ता मुलायम बनेगा।
- मलाई कोफ्ता या किसी भी तरह के कोफ्ता को तलने के बाद उन्हें पांच से दस मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। ऐसा करने से ग्रेवी में डालने के तुरंत बाद कोफ्ता बहुत ज्यादा मुलायम नहीं होगा और टूटेगा नहीं।
- बाद मध्यम आंच पर पकाएं। ऐसा करने से कोफ्ता न सिर्फ अच्छी तरह से पकेगा, बल्कि मुलायम भी बनेगा। अगर आपके पास समय कम है और आप कोफ्ते को तेज आंच पर पकाना चाहती हैं तो छोटे-छोटे आकार का कोफ्ता बनाएं।
- कोफ्ता मुलायम बनाने के कई सारे ट्रिक्स हैं। मसलन, कोफ्ता किसी भी चीज का बनाएं,
- उसके मिश्रण में कद्दूकस किया पनीर, उबला आलू या क्रीम मिला दें। आप चाहें तो कटा प्याज भी मिला सकती हैं।
- कोफ्ते को अच्छी तरह से तलना बहुत ज्यादा जरूरी है। अगर आप कोफ्ते को अच्छी तरह से पकाए बिना ही कड़ाही से निकाल देंगी तो ग्रेवी में डालने के बाद भी वह भीतर से कड़ा ही रहेगा और इसका सीधा असर कोफ्ते के स्वाद पर पड़ेगा। हमेशा मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक इसे पकाएं।

कहीं आपके बच्चे में तो नहीं आ गई असुरक्षा की भावना, रखें इन बातों का ध्यान

जालंधर ब्रीज (फीचर) . आपका बच्चा क्या अचानक से शांत हो गया है? क्या आप उसके मूर्ड स्विंग्स से परेशान हैं और कारण समझ नहीं पा रहीं? या अपने बच्चे के व्यवहार में आप बदलाव महसूस कर रही हैं? इन सभी सवालों के जवाब अगर हां हैं तो यकीनन इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। मुमकिन है कि आपका लाडला सामान्य से हटकर कुछ महसूस कर रहा हो। ऐसे में यह जरूरी है कि आप उसे और उसकी जरूरत को समझें। हो सकता है कि आपका बच्चा भावनात्मक असुरक्षा के भाव से दो-चार हो रहा हो। ऐसे में आपको समझना और जानना होगा कि बच्चे की विभिन्न आवश्यकताओं में से एक है, सुरक्षा और विश्वास की भावना। इसकी पाठशाला आप अपने घर पर ही शुरू कर सकती हैं, जिसके घेरे में रहकर बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है। माता-पिता और उसके शिक्षकों का व्यवहार, स्नेह, मार्गदर्शन बच्चे को न सिर्फ सुरक्षित महसूस कराता है बल्कि उसके नजरिये और सोच को बेहतर बनाने की दिशा में काम करता है। लिहाजा, जरूरी है कि आप छुटपन से ही अपने बच्चे को सुरक्षा की भावना का अहसास करवाएं।

Parenting

क्यों जरूरी है यह भाव?

सवाल उठता है कि भला क्यों बच्चों को सुरक्षा की भावना की जरूरत होती है? जानकार बताते हैं कि सुरक्षा की भावना न मिलने पर बच्चों पर ढेरों नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। उनमें व्यवहारिक खामियां आती हैं, जैसे वह क्रोधी हो सकते हैं या फिर एकदम शांत। मुमकिन है कि ऐसे बच्चे को अपनी भावनाओं को समझने, उन्हें व्यक्त करने और लोगों से जुड़ने में परेशानी का अनुभव हो। इसकी वजह से बच्चे में मूर्ड स्विंग की समस्या भी हो सकती है यानी सुरक्षा के भाव का सीधा असर बच्चे के व्यक्तित्व पर पड़ता है।

बच्चों को समझना है जरूरी

हर बच्चा अलग होता है। उसकी जरूरतें और प्रतिक्रिया देने के तरीके अलग हो सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपने बच्चे के बर्ताव पर नजर रखें। उसके व्यवहार में आने वाले छोटे-छोटे बदलावों पर ध्यान दें । इस बाबत मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. स्मिता श्रीवास्तव कहती हैं कि ंचता, तनाव या थकान के लक्षणों को भांपना आसान नहीं होता। कई बार उसे हम आम व्यवहार समझकर नजरअंदाज कर जाते हैं। ऐसे में माता-पिता के लिए जरूरी हो जाता है कि वह अपने लाडले के व्यवहार को समझें और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ से परामर्श लें।

-शेष अगले अंक में...

__डिस्क्लेमर :__ यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

शुगर का दुश्मन है रसोई में रखा ये एक पत्ता, जानें कैसे सेवन करने से मिलेगा डबल फायदा

HEALTH

तेजी से बढ़ती शुगर की बीमारी ने अगर आपको भी अपनी चपेट में ले लिए है तो अपनी डाइट में कुछ चीजें शामिल कर के आप उसे कंट्रोल में रख सकते हैं। इन्हीं में से एक है तेज पत्ता, जो आपकी बहुत मदद कर सकता है।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

खराब खानपान और लगभग दिनभर बैठे रहने वाले लाइफस्टाइल ने लोगों के शरीर को ढेर सारी बीमारियों का घर बना दिया है। इन्हीं बीमारियों में से एक है शुगर यानी डायबिटीज। एक बार शुगर हो जाए तो इसे कंट्रोल में बनाए रखने के लिए लोग दवाइयों के अलावा कुछ घरेलू नुस्खों को भी ट्राई करते हैं। दरअसल हमारी रसोई में कुछ ऐसे मसाले मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल सदियों से आयुर्वेद में एक औषधि के रूप में किया जाता रहा है। इनमें से कई मसाले डायबिटीज को कई हद तक कंट्रोल करने में भी काफी मददगार होते हैं, जैसे कि तेज पत्ता। तो चलिए आज जानते हैं कि तेज पत्ता कैसे आपकी ब्लड शुगर मैनेजमेंट में मदद कर सकता है।

जानें डायबिटीज में कैसे फायदेमंद है तेज पत्ता

खाने की खुशबू बढ़ाने वाला तेज पत्ता, आपकी ब्लड शुगर लेवल मैनेजमेंट में काफी हेल्पफुल साबित हो सकता है। एक्सपर्ट की मानें तो तेज पत्ते की मदद से शुगर को पूरी तरह खत्म यानी रिवर्स तो नहीं किया जा सकता है लेकिन ये शुगर को कंट्रोल करने के लिए काफी अच्छा उपाय है। हालांकि इसके साथ एक अच्छी नियंत्रित डाइट और डेली फिजिकल एक्टिविटीज का होना भी बेहद जरूरी है। जर्नल ऑफ बायोकेमिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक रिपोर्ट की मानें तो जिन टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों ने अपने खानपान में तेज पत्ते को शामिल किया था, उनका शुगर लेवल ही नहीं कोलेस्ट्रॉल भी काफी हद तक नॉर्मल होने लगा था।

जानें कैसे सेवन करने से होगा फायदा

तेज पत्ते को खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए अक्सर रसोई में इस्तेमाल किया जाता रहा है। हालांकि इसके अलावा और भी काई तरीकों से आप इसे अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। तेज पत्ता एक खड़ा मसाला है इसलिए इसे आप अपनी रोजाना की चाय में शामिल कर सकते हैं। इससे ना सिर्फ चाय का स्वाद बढ़ जाएगा बल्कि आपकी चाय जरा हेल्दी भी हो जाएगी। इसके अलावा शुगर के मरीजों के लिए बेस्ट है कि वो तेजपत्ते का पानी अपनी डाइट में शामिल करें। इसके लिए बस एक गिलास पानी में रात के समय एक तेज पत्ता भिगोकर रख दें। सुबह इस पानी को हल्का गर्म करें और पी जाएं। तेज पत्ते का ऐसा सेवन आपके शुगर लेवल को कंट्रोल करने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

__नोट :__ इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

आईएफएफआई 2024 ने सभी कहानीकारों और सिनेप्रेमियों को सिनेमा के आनंद में शामिल होने का आह्वान किया

• **जालंधर ब्रीज** . देश

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) और एंटरटेनमेंट सोसाइटी ऑफ गोवा (ईएसजी) के सहयोग से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय 20 से 28 नवंबर, 2024 तक गोवा में 55वें भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) की मेजबानी करेगा। यह कहानीकारों और सिनेमा प्रेमियों के लिए खुश होने का एक अवसर है। 55वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) एक जीवंत कार्यक्रम और विविध कार्यक्रमों के साथ शुरू होने जा रहा है, जिससे वैश्विक सिनेमा के एक अविस्मरणीय उत्सव का वादा किया गया है।

55वें आईएफएफआई का पूर्वावलोकन संवाददाता सम्मेलन आज केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की विशेष सचिव नीरजा शेखर, आईएफएफआई के महोत्सव निदेशक शेखर कपूर, सीबीएफसी के अध्यक्ष प्रसून जोशी और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

अपने संबोधन के दौरान, डॉ. एल. मुरुगन ने वैश्विक मंच पर महोत्सव की प्रतिष्ठित भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "आईएफएफआई न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व स्तर पर एक ऐतिहासिक आयोजन बन गया है, जो कान जैसे वैश्विक महोत्सवों के समतुल्य है।" डॉ. मुरुगन ने महोत्सव के अनुभव को समृद्ध बनाने के लिए हर साल शुरू की जाने वाली अनूठी पहलों पर जोर दिया और बताया कि इस साल के आयोजन में फिल्मों के प्रति जबरदस्त रुचि देखने को मिली है, जो महोत्सव की बढ़ती पहुंच और प्रभाव को दर्शाती है। जन सहभागिता बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने मुंबई और चेन्नई में हाल ही में आयोजित कार्यक्रमों सहित प्रमुख शहरों में प्रोमोशनल रोड शो आयोजित किए हैं, इसके बाद हैदराबाद में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डॉ. मुरुगन ने उद्योग जगत के दिग्गजों से इस महोत्सव को अपने महोत्सव के रूप में स्वीकार करने का आग्रह किया, जो आत्मनिर्भर भारत की भावना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आईएफएफआई को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित सिनेमाई कार्यक्रम के रूप में स्थापित करने के विजन को दर्शाता है। उन्होंने लोगों से गोवा में आयोजित होने वाले महोत्सव में शामिल होने का भी आग्रह किया।

आईएफएफआई 2024 का विषय: 'युवा फिल्म निर्माता' - "भविष्य अब है"

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के विजन के अनुसार, आईएफएफआई 2024 का

विषय "युवा फिल्म निर्माता" पर केंद्रित है, जो रचनात्मकता के भविष्य को आकार देने में उनकी क्षमता को महत्व देता है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने आज अपने उद्घाटन भाषण में कहा, "भारत तेजी से दुनिया के सबसे बड़े फिल्म निर्माण राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, जो विभिन्न प्रारूपों और दृष्टिकोणों को अपना रहा है। हमारे उद्योग के भीतर नई, उभरती आवाज राष्ट्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।" उन्होंने यह भी कहा कि आईएफएफआई 2024 को फिल्म निर्माताओं और सिनेमा प्रेमियों दोनों के लिए डिजाइन किया गया है और भविष्य को आकार देने वाली आवाज को प्राथमिकता दी गई है, विशेष रूप से उभरते युवा फिल्म निर्माता, जो राष्ट्र के सांस्कृतिक कथानक को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो मंच की पहल को पिछले आयोजनों में शामिल 75 से बढ़ाकर 100 युवा प्रतिभाओं को समर्थन देने के लिए आगे बढ़ाया गया है। देश भर के फिल्म स्कूलों के 400 युवा फिल्म छात्रों को आईएफएफआई में भाग लेने के लिए मंत्रालय द्वारा सुविधा प्रदान की जा रही है।

भारत भर में युवा फिल्म निर्माण प्रतिभाओं को मान्यता देने के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित भारतीय निर्देशक का एक नया सेक्शन और पुरस्कार स्थापित किया गया है। मास्टरक्लास, पैनल चर्चा, फिल्म बाजार और फिल्म पैकेज सभी युवा रचनाकारों के लिए तैयार किए गए हैं। आईएफएफआई 2024 सिनेमा के दिग्गजों को श्रद्धांजलि भी देगा और विशेष श्रेणियों और प्रदर्शनियों के माध्यम से विविध दृष्टिकोणों को प्रदर्शित करेगा, जो गोवा में दर्शकों के लिए एक अनूठा अनुभव लेकर आएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव ने भी 55वें आईएफएफआई के सहयोग आधारित सार पर प्रकाश डाला और इसे वास्तव में उद्योग के नेतृत्व में और उद्योग के लिए एक महोत्सव बताया, जिसमें प्रशंसित फिल्म निर्माता शेखर कपूर महोत्सव निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं । इसे ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा, "फिल्म महोत्सव के इतिहास में पहली बार हमने महोत्सव को फिल्म उद्योग को सौंपने की परंपरा शुरू की है, जो इस पूरी पहल का नेतृत्व कर रहा है।"

आईएफएफआई: कथा वाचन की कला का उत्सव –महोत्सव के निदेशक शेखर कपूर ने सिनेमा में कहानी कहने की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और इसे सिनेमाई अनुभव का हृदय बताया।

उन्होंने कहा, "तेजी से विकसित हो रही दुनिया में, कथा वाचन की कला को संरक्षित करना पहले से कहीं ज़्यादा जरूरी है।"

अभिव्यक्ति 4.0 : तीन दिवसीय मेगा साहित्यिक महोत्सव का सफलतापूर्वक समापन

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (आवा) द्वारा एक अनुकरणीय पहल, तीन दिवसीय साहित्यिक उत्सव –अभिव्यक्ति 4.0 – आज समापन दिवस की कार्यवाही पूर्व राजनयिक नवतेज एस. सरना और प्रसिद्ध लेखक डॉ. राधाकृष्णन पिल्लई द्वारा बौद्धिक खोज के रूप में लेखन की चुनौतियों पर उच्च सकारात्मकता और लचीलेपन के साथ अपने विचार साझा करने के साथ शुरू हुई। इस अवसर पर पश्चिमी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार और पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वी पी मलिक द्वारा लेफ्टिनेंट जनरल कमलजीत सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम (सेवानिवृत्त) की पुस्तक 'जनरल जोटिंग्स' का विमोचन भी किया।

डॉ. पिल्लई ने अपने मुख्य भाषण में पुस्तक लेखन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए और एक अच्छे लेखक बनने के लिए पढ़ने की आदत विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। "हममें से प्रत्येक के पास बताने के लिए एक कहानी है और हमें यह जानना होगा कि उस कहानी को कैसे बताया जाए। भारत एक ऐसा देश है

जहाँ कई भाषाओं में पढ़ाई होती है लेकिन जो किताबें पढ़ी जाती हैं वे मुख्य रूप से पाठ्य पुस्तकें हैं। इसलिए, हमारे पास लोगों को गैर-पाठ्य पुस्तकें भी पढ़ने के लिए प्रेरित करने का सही समय है," डॉ. पिल्लई ने कहा।

वरिष्ठ पत्रकार विपिन पब्बी के साथ बातचीत में, संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत सरना ने अपनी प्रसिद्ध कृति – 'द एग्ज़ाइल एंड क्रिमसन: ए नॉवेल' के संदर्भ में रचनात्मक लेखन के विभिन्न आयामों पर अपने विचार साझा किए। ऐतिहासिक कथा-लेखन की दुविधा को स्वीकार करते हुए श्री सरना ने कहा: "तथ्यों को विकृत करना या न करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। मैं विवरणों के बारे में बहुत सावधान रहा हूँ। मैंने केवल अंतराल को भरने के लिए कथानक का उपयोग किया है।" महान क्रांतिकारी उधम सिंह पर एक सवाल में सरना ने कहा कि "उधम सिंह के बारे में बहुत सी बातें ज्ञात नहीं हैं, इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश न करें। इतिहास के प्रति सच्चे रहें। तारीखें सच होनी चाहिए।" कई मिथकों को उजागर करते हुए सरना का दृढ़ मत था कि "एक लेखक को अपनी व्यक्तिगत भावनाओं से एक दूरी बनाए रखनी चाहिए। तभी आप निष्पक्ष होकर लिख सकते हैं।" सरना ने शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह और महारानी ज़िंदा के सबसे छोटे बेटे महाराजा दलीप सिंह के बारे में भी बात की, जो उनके उपन्यास 'द एग्ज़ाइल' का केंद्रीय विषय है। पत्रकार सोनी सांगवान द्वारा संचालित ‘रीकिंडलिंग द हैबिट ऑफ रीडिंग’ विषय पर एक जीवंत पैनल चर्चा में पैनलिस्ट अजय जैन, वंदना पल्ली और सगुना जैन ने आज के युवाओं में पढ़ने की आदत डालने की चुनौतियों और अवसरों पर बात की। अम्बरीन जैदी द्वारा संचालित ‘डिजिटल कथाएँ: स्क्रीन के युग में कथा वाचन’ पर पैनल चर्चा में विषय-आधारित आगे की चुनौतियों पर गहन चर्चा की गई। द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक ज्योति मल्होत्रा ने अपने समापन भाषण में समाज में साहित्य की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा एक महिला पत्रकार के रूप में अपने अनुभव और यात्रा को भी साझा किया। आवा की क्षेत्रीय अध्यक्ष शुचि कटियार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

कुशल और विकसित भारत के लिए पीएम इंटर्नशिप योजना

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, जो 3 अक्टूबर 2024 को शुरू की गई, दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। इसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में एक करोड़ भारतीय युवाओं को व्यावसायिक और व्यावहारिक कौशल (प्रैक्टिकल स्किल्स) प्रदान करना है। इस योजना का उद्देश्य उन युवाओं को उद्योग से जोड़ना है, जिन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है और अब अपने करियर की दिशा में एक ठोस कदम उठाना चाहते हैं। पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत 21 से 24 वर्ष के बीच के युवा, जिन्होंने 10वीं, 12वीं, आईटीआई, या स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली है, को भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका मिलेगा। ये कंपनियाँ उनके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) योगदान के आधार पर चयनित की गयी हैं। इस पहल के प्रथम चरण (2024-25) में 1.25 लाख युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जायेंगे।

12 महीने की अवधि वाली यह इंटर्नशिप युवाओं को 25 विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है। प्रत्येक इंटर्न को अपने कौशल को मजबूत करने और करियर के

रास्ते तलाशने के लिए कम से कम छह महीने कार्यस्थल में बिताने होंगे। इस तरह का अनुभव शिक्षण और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच की खाई को भरता है, जिससे युवा रोजगार के लिए अधिक योग्य बनते हैं।

पीएम इंटर्नशिप योजना के लिए मुफ्त पंजीकरण 12 अक्टूबर 2024 से शुरू हो गया है और अभी भी जारी है, पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 नवंबर 2024 है। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को दो चरणों को पूरा करना होगा— पंजीकरण प्रक्रिया और आवेदन प्रक्रिया। पात्र उम्मीदवार pminternship.mca.gov.in पोर्टल पर निःशुल्क पंजीकरण कर सकते हैं, जहाँ उन्हें अपने DigiLocker या आधार नंबर का उपयोग करके ई-केवाईसी पूरा करना होगा और अपने शैक्षिक प्रमाणपत्र जमा करने होंगे। यह पोर्टल हिंदी, अंग्रेजी और 10 क्षेत्रीय भाषाओं सहित कई भाषाओं में उपलब्ध है। उम्मीदवार स्थान, भूमिका, क्षेत्र और योग्यता के आधार पर पाँच इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं, प्रारंभिक रूप से कंपनी का नाम जाने बिना। चयनित होने के बाद, उन्हें इंटर्नशिप प्रस्तावों का विवरण प्राप्त होता है। प्रत्येक उम्मीदवार को अधिकतम दो इंटर्नशिप ऑफ़र मिल सकते हैं। अंतिम ऑफ़र लेटर पीएमआईएस पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा और उम्मीदवार के पंजीकृत ईमेल पते पर भेजा जाएगा। सरकार इंटर्न को आर्थिक रूप से सहयोग देने के लिए प्रत्येक इंटर्न को प्रति माह ₹5,000 की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी —जिसमें से ₹500 कंपनी द्वारा और ₹4,500 सरकार द्वारा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर(DBT) के माध्यम से अदाएगी की जाएगी। इसके अतिरिक्त, उन्हें शुरू में ₹6,000 की एकमुश्त सहायता राशि भी दी जाएगी। सरकार द्वारा उन्हें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत बीमा कवरेज भी प्रदान किया जा रहा है, जिसका खर्च सरकार द्वारा उठाया जायेगा, और कंपनियाँ अतिरिक्त दुर्घटना बीमा भी अलग से प्रदान कर सकती हैं। योग्यता और स्थान के आधार पर इंटरशिप के अवसरों की संख्या अलग-अलग है: स्नातकों के पास सबसे अधिक विकल्प हैं, जिनके लिए 35,063 पद हैं, इसके बाद 10वीं पास उम्मीदवारों के लिए 31,500, आईटीआई धारकों के लिए 30,448, डिप्लोमा धारकों के लिए 21,222 और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए 8,826 पद हैं।

हमारी सेना की वीरता आने वाले 50 वर्षों के लिए प्रेरक कहानियों को समेटे हुए है : ईरानी

जालंधर ब्रीज (देश) . आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (आवा) द्वारा बहुप्रतीक्षित साहित्यिक उत्सव – अभिव्यक्ति-2024 – का आज खेत्रपाल ऑफिसर्स मेस एंड इंस्टीट्यूट, मुख्यालय पश्चिमी कमान, चंडीमंदिर सैन्य स्टेशन में शानदार शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में प्रख्यात अभिनेता बोमन ईरानी विशेष रूप से उपस्थित हुए, जबकि औपचारिक उद्घाटन आवा अध्यक्ष सुनीता द्विवेदी, आवा की क्षेत्रीय अध्यक्ष शुचि कटियार और पूर्व मुख्य सेना अध्यक्ष वी पी मलिक की पत्नी रंजना मलिक ने दीप प्रज्वलित करके किया। तीन दिवसीय साहित्यिक उत्सव ‘आवा अभिव्यक्ति साहित्य महोत्सव, 2024’ का समापन 10 नवंबर, 2024 को होगा, जिसमें कई प्रसिद्ध हस्तियाँ भाग लेंगी – मशहूर हस्तियाँ, लेखक, कहानीकार, कवि, कलाकार और बुद्धिजीवी – जो इस जीवंत माहौल में अपना योगदान देंगी। यह कार्यक्रम सभी के लिए खुला है, जो समुदाय को पुस्तकों और विचारों की दुनिया में डूबने के लिए आमंत्रित करता है। सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, आवा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा

कि यह कार्यक्रम न केवल प्रशंसित लेखकों, कहानीकारों, पत्रकारों, मशहूर हस्तियों, प्रभावशाली लोगों और पढ़ने के शौकीनों को एक छत के नीचे लाता है, बल्कि ट्राइसिटी के निवासियों को इस जीवंत उत्सव में पूरी तरह से शामिल होने का एक उत्कृष्ट अवसर भी प्रदान करता है। अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए बचपन के संघर्ष से लेकर बॉलीवुड में अपनी जगह बनाने तक, मुन्ना भाई एमबीबीएस और 3 इडियट्स फेम अभिनेता बोमन ईरानी ने कहा “मुझे ऐसे बेहद सम्मानित दर्शकों के बीच होने का सौभाग्य मिला है। हमें अपनी सेना पर गर्व है। उनकी वीरता की कहानियाँ अगले 50 सालों तक सुनाई जाएँगी।” प्रसिद्ध वक्ताओं और मनोरंजक गतिविधियों के साथ, तीन दिवसीय महोत्सव बौद्धिक जुड़ाव और सांस्कृतिक समृद्धि चाहने वालों के लिए एक विलक्षण अनुभव, जो साहित्यिक समुदाय को समर्थन देने के लिए आवा की प्रतिबद्धता को व्यक्त करता है। ‘अनुसंधान, अभिव्यक्त और अनुभव’ थीम पर आधारित अभिव्यक्ति-2024 प्रतिबद्धता एक रोमांचक साहित्यिक यात्रा है। उपस्थित लोगों को निपुण लेखकों की कृतियों को जानने, विचारोत्तेजक विचारों से जुड़ने और साहित्य के पारखी लोगों द्वारा साझा किए गए अनुभवों के माध्यम से खुद को समृद्ध करने का अवसर मिलेगा।

‘अन्वेषण, अभिव्यक्ति और अनुभव’ थीम पर आयोजित इस महोत्सव के पहले दिन सेना के साहित्यिक रत्नों से जुड़ी ज्ञानवर्धक पैनल चर्चाएँ हुईं। नित्या शुक्ला द्वारा संचालित पैनलिस्ट अनुजा चौहान, अदिति माथुर कुमार और मीनू त्रिपाठी ने ‘टाइमलेस वॉयस: महिला लेखकों का जश्न और सेना के जीवनसाथियों के योगदान’ विषय पर शानदार चर्चा की। प्राची जोशी जौहर के साथ बातचीत में अमीश त्रिपाठी ने ‘पौराणिक आधुनिकता: भारतीय किंवदंतियों की पुनर्कल्पना’ पर प्रकाश डाला और विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोणों के बीच संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया। पैनलिस्टों ने वित्तीय विषय पर अपने विचार साझा किए। कर्नल अवनीश शर्मा के साथ बातचीत में नीलम कुलकर्णी ने ‘भारत का सभ्यतागत इतिहास: एक शानदार मोज़ेक’ विषय पर चर्चा करते हुए भारतीय सभ्यता और संस्कृति के अनछुए आयामों को छुआ।

केंद्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के मंत्री मनोहर लाल ने सीईएसएल के 'ईवी एज़ ए सर्विस' कार्यक्रम प्रारंभ किया

जालंधर ब्रीज (हरियाणा) . 'ईवी एज़ ए सर्विस' का लक्ष्य सरकारी कार्यालयों में ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देना है; अगले दो वर्षों में सरकारी विभागों में 5,000 ई-कारों का उपयोग होगा केंद्रीय मंत्री ने कई प्रकार के वाहनों वाली ईवी रैली को हरी झंडी दिखाई, उत्सर्जन को कम करने के लिए स्वच्छ परिवहन विकल्पों को अपनाने का आह्वान किया।

केंद्रीय विद्युत और आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के मंत्री मनोहर लाल ने आज मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) की सहायक कंपनी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) के 'ईवी एज़ ए सर्विस' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रालयों/विभागों, सीपीएसई और संस्थानों में इलेक्ट्रिक कारों को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीईएसएल का 'ईवी एज़ ए सर्विस' कार्यक्रम सरकारी क्षेत्र में ईवी की बढ़ती मांग को पूरा करता है। इसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य अगले दो वर्षों में सरकारी कार्यलयों में 5,000 ई-कारों का उपयोग करना है। लचीले खरीद मॉडल द्वारा यह कार्यक्रम विभिन्न प्रकार की ई-कार मेक/मॉडल के उपयोग की अनुमति देता है जो सरकारी कार्यालयों को अपनी परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप हो। यह न केवल सरकार की पर्यावरणीय धारणीयता के विज़न का समर्थन करता है बल्कि 2070 तक सकल शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप भी है। सरकारी बेड़े में ईवी अपनाने को बढ़ावा देकर सीईएसएल कार्बन उत्सर्जन में कटौती, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह ध्यान देने योग्य है कि सीईएसएल ने पहले ही पूरे भारत में लगभग 2000 ई-कारें बेड़े में शामिल की है और लगभग 17,000 ई-बसों को बेड़े में शामिल करने में सहयोग कर रहा है।

इस अवसर पर, भारत सरकार के केंद्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के

मंत्री मनोहर लाल ने कहा, “ 'ईवी एज़ ए सर्विस' कार्यक्रम सीईएसएल के सतत नवाचार के प्रति समर्पण का उदाहरण है और स्वच्छ गतिशीलता समाधानों की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने की इसकी क्षमता को दर्शाता है। मैं न केवल परिवर्तन लाने के लिए बल्कि हरित परिवहन की दिशा में हमारे देश की यात्रा में एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए सीईएसएल की सराहना करता हूँ।

सीईएसएल के एमडी और सीईओ विशाल कपूर ने कहा, "'ईवी एज़ ए सर्विस' की शुरुआत हाल ही में पीएम ई-ड्राइव योजना की शुरुआत के बाद की गई है जो एक राष्ट्रीय पहल है जिसका उद्देश्य भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को तेजी से बढ़ावा देना है।" "सीईएसएल में भविष्य में इलेक्ट्रिक परिवहन साधनों का उपयोग होगा और सरकारी बेड़े में ईवी को अपनाने की सुविधा देकर हम बड़े पैमाने पर उत्सर्जन में कमी ला रहे हैं और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ा रहे हैं। सीईएसएल एक ऊर्जा-कुशल, कम कार्बन अर्थव्यवस्था वाले विज़न के लिए प्रतिबद्ध है और हम एक ऐसा बुनियादी ढांचा बनाकर इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं जो टिकाऊ गतिशीलता के लिए एक मानक होगा।"

आवा साहित्य उत्सव ‘अभिव्यक्ति 4.0’ की शुरुआत पंजाब के राज्यपाल और यूटी प्रशासक के मुख्य भाषण से हुई

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . जालंधर ब्रीज: आवा साहित्य महोत्सव ‘अभिव्यक्ति 4.0’ का दूसरा दिन शनिवार को मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया के मुख्य भाषण के साथ शुरू हुआ।

चंडीमंदिर स्थित पश्चिमी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल मोहित वाधवा ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीपी मलिक और अन्य अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में कटारिया का स्वागत किया। राज्यपाल कटारिया ने प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, जहां आवा द्वारा सहायता प्राप्त कई संगठनों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया है। राज्यपाल के साथ आवा की क्षेत्रीय अध्यक्ष शुचि कटियार भी मौजूद थीं। राज्यपाल ने बाद में अस्त्र-शस्त्रों की प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया।

इस दौरान राज्यपाल ने अपने संबोधन में साहित्य

की उस समाहित शक्ति पर गर्व व्यक्त किया जो सीमाओं से परे विभिन्न साहित्यिक आवाज़ों को एक साझा मंच पर लाती है। राज्यपाल ने कहा कि साहित्य भारत के अतीत को वर्तमान से जोड़ता है और भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण भी प्रदान करता है। उन्होंने सेना के अधिकारियों, उनकी पत्नियों और बच्चों को विभिन्न पुस्तकों के रूप में कुछ बहुत ही उच्च गुणवत्ता वाले साहित्य का निर्माण करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि साहित्य भावी पीढ़ियों को क्या दे सकता है, यह इस बात से तय होगा कि हमारे साहित्यकार वर्तमान में किस तरह के लेखन, कहानी, पत्रकारिता, कविता आदि लिख रहे हैं।

‘अभिव्यक्ति 4.0’ के मुख्य स्थल पर ‘युद्ध के मैदानों से लेकर बेस्टसेलर तक’ विषय पर एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा हुई, जिसने दर्शकों का ध्यानाकर्षण किया । पैनल में लेफ्टिनेंट जनरल भोपिंदर सिंह (सेवानिवृत्त), शब्बीर बॉक्सवाला, शिव अरूर, राहुल सिंह और कैप्टन सजीता नायर (सेवानिवृत्त) शामिल थे। इस परिचर्चा का संचालन विवेक अत्रे, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने किया, जिसमें उन लेखकों की अनूठी यात्राओं पर चर्चा की गई, जिनके सशस्त्र बलों में अनुभवों ने उनकी साहित्यिक रचनाओं को आकार दिया है, तथा सैन्य और साहित्य की दुनिया को जोड़ा है।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में सीएचईआईएनआई की द्वितीय बैठक का आयोजन

जालंधर ब्रीज (बठिंडा) . पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू पंजाब) द्वारा रविवार को कंसोर्टियम ऑफ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ऑफ नॉर्थ इंडिया (सीएचईआईएनआई) की द्वितीय बैठक की मेजबानी की गई। इस बैठक में उच्च शिक्षा के सात प्रमुख शिक्षण संस्थानों के कुलपति/डायरेक्टर ने शैक्षिक मानकों के उत्थान और छात्र-केंद्रित शिक्षा वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सहयोगात्मक रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया। सीएचईआईएनआई 29 जुलाई, 2023 को स्थापित छह केंद्रीय विश्वविद्यालयों— जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय —तथा प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ का एक संगठन है, जो इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा का उच्च मानदंड स्थापित करने हेतु स्थापित किया गया है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी ने इस बैठक के मेजबान के रूप में आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा, सीयू हरियाणा के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सीयू जम्मू के कुलपति प्रो. संजीव

जैन और सीयू कश्मीर के कुलपति प्रो. ए. रवींदर नाथ (वर्चुअल रूप में जुड़े) सहित सभी गणमान्य अतिथियों का अभिनंदन किया। प्रो. तिवारी ने अपने स्वागत भाषण में सीयू पंजाब की शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्धियों की संक्षिप्त जानकारी साझा की। उन्होंने मालवा क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु बठिंडा के उच्च शिक्षा संस्थानों के कंसोर्टियम द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में बताया, जिससे संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और परामर्श कार्यों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस कंसोर्टियम में सहयोगात्मक कार्यों के परिणामस्वरूप सीयू पंजाब द्वारा एम्स बठिंडा और एमआरएस-पीटीयू, बठिंडा के साथ मिलकर दो संयुक्त डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किए है: जिसमें डिजिटल इमेजिंग और हेल्थकेयर डेटा एनालिटिक्स में पीजी डिप्लोमा और बौद्धिक संपदा अधिकारों में पीजी डिप्लोमा शामिल है। प्रो. तिवारी ने इस बात पर बल दिया कि कंसोर्टियम ऑफ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ऑफ नॉर्थ इंडिया भी उत्तर भारत में उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने सीएचईआईएनआई की प्रथम वर्ष के कार्यों की प्रगति की सराहना की और क्षेत्रीय एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने हेतु आपसी सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने सभी सदस्य संस्थानों से कंसोर्टियम के उद्देश्यों की पूर्ती में सक्रिय योगदान देने और आईआईटी रोपड़ की इनक्यूबेशन सुविधाओं का उपयोग करते हुए नवाचार और सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले स्टार्टअप परियोजनाओं का समर्थन करने का आग्रह किया।

बैठक में प्रतिनिधियों ने एनईपी-2020 के परिवर्तनकारी सुधारों जैसे स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल शोध के संयुक्त पर्यवेक्षण, संयुक्त प्रकाशनों, जॉइंट पेटेंट्स और संकाय-छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई।

डिप्टी कमिश्नर ने लिया हाईवे प्रोजैक्टों का जायजा, शीघ्र भुगतान पर दिया जोर

क्षेत्र की कनेक्टिविटी को और बढ़ाने के लिए इन महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रोजैक्ट को समय पर पूरा करने के निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने आज बैठक के दौरान जिले में हाईवे के चल रहे प्रोजैक्टों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इन बेहद अहम बुनियादी ढांचे को समय पर पूरा करने की जरूरत पर जोर दिया। डा. अग्रवाल ने अधिकारियों को जालंधर-कटरा एक्सप्रेसवे, जालंधर बाईपास और अमृतसर-बठिंडा ग्रीन फील्ड परियोजना और अन्य परियोजनाओं सहित प्रमुख हाईवे प्रोजैक्ट के विकास की गति में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने जमीन एक्वायर करने से संबंधित कठिनाइयों को दूर करने पर भी जोर दिया और सी.ए.एल.एस (एसडीएम) से अपील की कि वे उन भूमि मालिकों का तुरंत भुगतान सुनिश्चित करें जिन्होंने इन परियोजनाओं के लिए जमीन दी है। डिप्टी कमिश्नर ने भूमि मालिकों को एवार्ड राशि की घोषणा और भुगतान प्राप्त होने के तुरंत बाद भूमि का कब्जा जिला प्रशासन को सौंपने को कहा। उन्होंने क्षेत्र को अन्य के साथ अधिक आसानी से जोड़ने और इससे होने वाले आर्थिक विकास के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान डा. अग्रवाल ने नैशनल हाईवे अथारिटी (एन.एच.ए.आई.) द्वारा उठाए गए मुद्दों का भी समाधान किया और एस.डी.एम. को निर्देश दिए कि यदि कोई बाधा है तो उसे तुरंत दूर किया जाए। इस मौके पर अन्यों के अलावा अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) अमित महाजन, एस.डी.एम. बलबीर राज सिंह, लाल विश्वास, अमनपाल सिंह, जिला राजस्व अधिकारी नवदीप भोगल और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

चुनाव के लिए वोटर सूचियों के सुधार का प्रोग्राम जारी

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). राज्य चुनाव आयोग पंजाब की ओर से नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत के आम चुनावों के लिए मतदाता सूचियों के सुधार संबंधी प्रोग्राम जारी किया गया है। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(ग्रामीण विकास)-कम- अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी होशियारपुर निकास कुमार ने बताया कि योग्यता 1 नवंबर 2024 के आधार पर मतदाता सूचियों का सुधार किया जाना है। सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन 14 नवंबर को किया गया और 18 से 25 नवंबर तक दावे व आपत्तियां प्राप्त किए जाएंगे। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निपटारा 3 दिसंबर तक तथा मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 7 दिसंबर को होगा। आम जनता की सुविधा के लिए दावे व आपत्तियां (अर्थात फार्म नंबर 7, 8 और 9) प्राप्त करने को संबंधित नगर निगम, नगर परिषद व नगर पंचायत में 20 व 21 नवंबर को विशेष अभियान चलाया जाएगा। गौरतलब है कि जिले में नगर निगम होशियारपुर के वार्ड नंबर 6, 7 व 27, नगर पंचायत माहिलपुर के वार्ड नंबर 1 से 13, नगर पंचायत तलवाड़ा के वार्ड नंबर 1 से 13, नगर परिषद हरियाना के वार्ड नंबर 11 व नगर परिषद उड़मुड़ टांडा के वार्ड नंबर 8 में चुनाव होना है।

मिड-डे मील की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का आदेश, हेल्पलाइन नंबर जारी

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

पंजाब स्टेट फ़ूड कमीशन के चेयरमैन बाल मुकंद शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि मिड-डे-मिल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए नियमित रूप से स्कूलों का दौरा करके दोपहर के भोजन की जांच करने का निर्देश दिया है। आज यहां जिला प्रशासनिक कॉम्प्लेक्स में एक मीटिंग के दौरान कपूरथला जिले में मिड-डे मील और अन्य सरकारी योजनाओं को लागू करने के लिए जायजा लेते हुए उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को खुद स्कूलों में जाकर दोपहर का भोजन करने को कहा ताकि किसी भी कमी को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि खाना बनाने वाले स्थान की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाये।

कमिश्न ने यह भी बताया कि सरकारी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में एक हेल्पलाइन नंबर 98761-64545 जारी किया गया है, जिस पर लाभार्थी किसी भी तरह की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हर 6 महीने के बाद स्कूली छात्रों की स्वास्थ्य जांच और मिड-डे मिल वर्करों की मेडिकल जांच अवश्य की जानी चाहिए। शर्मा द्वारा सप्लीमेंट्री न्यूट्रीशन रिपोर्ट और एस.एन.पी योजना के तहत साल 2024-25 की दूसरी तिमाही की बकाया राशि के बारे में जिला प्रोग्राम अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा उन्होंने नेशनल फ़ूड एक्ट के जिला शिकायत निवारण अधिकारी अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) से प्राप्त शिकायतों के निपटारे के बारे में जानकारी प्राप्त की।

लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना पंजाब सरकार की प्रमुख प्राथमिकता : डॉ. रवजोत सिंह

कहा- विकास परियोजनाओं के लिए फंड की कोई कमी नहीं

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार के लिए शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएँ प्रदान करना प्राथमिकता है। पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने यह बात करते हुए कहा कि राज्य भर में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जाएगा और इन परियोजनाओं के लिए फंड की कोई कमी नहीं है। म्युनिसिपल भवन में विभिन्न मुद्दों सम्बन्धी राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल और पंजाब विधानसभा के उपाध्यक्ष जय कृष्ण सिंह रोड़ी की उपस्थिति में, स्थानीय निकाय मंत्री ने नगर निगम फगवाड़ा के कमिश्नर, फिरोजपुर, मोगा, कपूरथला, नवां शहर के अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) और मखू, मल्लांवाला खास, बाघा पुराना, धर्मकोट, फतेहगढ़ पंजतूर, नडाला, ढिल्लवा, बेगोवाल, भुलथ और बाला चौर नगर परिषदों/नगर पंचायतों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

डॉ. रवजोत सिंह ने जोर देते हुए कहा कि शहरवासियों के लिए स्वच्छता और बेहतर सुविधाओं को सुनिश्चित करना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों को इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ठोस कदम उठाने के आदेश भी दिए। कैबिनेट मंत्री ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं पर अधिकारियों से रिपोर्ट की समीक्षा की और सभी परियोजनाओं में उच्च स्तर की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री ने शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी शहरी क्षेत्र में कचरे के ढेर न दिखें और घर-घर से एकत्र किए गए कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया जाए। इसके अलावा, उन्होंने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सीवरेज प्रणाली को नियमित रूप से मशीनों से साफ किया जाए ताकि सीवरेज का पानी सड़कों और गलियों में ओवरफ्लो न हो।

पंचों का शपथ ग्रहण समारोह 19 को

कपूरथला (जालंधर ब्रीज). डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पांचाल ने 19 नवंबर को पंचों के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आदेश दिए कि प्रोग्राम को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए यातायात, पेयजल, सुरक्षा आदि की व्यवस्था समय पर पूरा किया जाए। गुरुवार को हुई एक मीटिंग के दौरान उन्होंने कहा कि जिले के लगभग 3100 क क़रीब पंचों को 19 नवंबर को दाना मंडी कपूरथला में पद की शपथ दिलाई जाएगी।

उन्होंने डीडीपीओ और बीडीपीओज को निर्देश दिए कि वे पंचों को इस संबंध में समय पर जानकारी उपलब्ध कराएं ताकि कोई भी पंच शपथ लेने से वंचित न रहे। वर्णनयोग है कि जिले के करीब 546 सरपंचों द्वारा पहले ही लुधियाना में राज्य स्तरीय समागम में शपथ ले ली गई थी। इस अवसर पर उन्होंने मंडी बोर्ड के अधिकारियों को कहा कि वह दाना मंडी में साफ-सफाई आदि सुनिश्चित करें। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर अनुपम कलेर, डीडीपीओ सतीश कुमार, जिला मंडी अधिकारी अरविंदर सिंह व अन्य मौजूद रहे।

लुधियाना के पास बनेगी अत्याधुनिक सुरक्षा जेल : लालजीत सिंह भुल्लर

जेल विभाग में 13 डीएसपी और 175 वार्डनो की भर्ती जल्द होगी

कपूरथला में जेल विभाग के कर्मचारियों की पासिंग आउट परेड में लिया हिस्सा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/कपूरथला

पंजाब के जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने घोषणा की कि पंजाब की जेलों में बंद खतरनाक कैदियों को अलग से रखने के लिए 100 करोड़ रुपये की लागत से लुधियाना ज़िले के गांव गोरसियां कादर बख्श में एक अत्याधुनिक सुरक्षा जेल का निर्माण किया जा रहा है, जो अगले साल तक संपूर्ण हो जाएगी।

यहां इन-सर्विस ट्रेनिंग सेंटर कपूरथला में पंजाब जेल विभाग के 173 वार्डन और 6 मैट्रनों की पासिंग आउट परेड के मौके पर संबोधित करते हुए स. भुल्लर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा जेलों की सुरक्षा के साथ-साथ कैदियों को रोज़गार देकर उन्हें समाज की आर्थिक प्रगति में भागीदार बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा 13 जेलों के अंदर मोबाइल फोन के उपयोग को रोकने के लिए जैमर लगाए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने यह भी बताया कि जेल विभाग की आय में वृद्धि करने और कैदियों को उनके कौशल के अनुसार कार्य देने के लिए "पंजाब प्रिज़न डेवलपमेंट बोर्ड" के तहत 12 जेलों, जो मुख्य सड़कों पर स्थित हैं, में पेट्रोल पंप लगाने का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि 6 जेलों में पेट्रोल पंप शुरू हो चुके हैं, जबकि 2 जेलों में जल्द ही पेट्रोल पंप शुरू किए जाएंगे।

पंजाब सरकार द्वारा पारदर्शी भर्ती को प्राथमिक क्षेत्र बताते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जेल विभाग में 13 डीएसपी, 175 वार्डन और 4 मैट्रनों की और भर्ती जल्द की जा रही है। उन्होंने बताया कि कैदियों के सुधार के लिए जेलों में शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ कैदियों को नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम कराए जा रहे हैं और खेलों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

डिप्टी कमिश्नर प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित नगर कीर्तन में हुए शामिल

प्रकाश पर्व पर साफ-सफाई सुनिश्चित करने के आदेश

• **जालंधर ब्रीज.** सुल्तानपुर लोधी

डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पांचाल सुल्तानपुर लोधी में गुरु नानक देव जी की 555वीं जयंती को समर्पित नगर कीर्तन में शामिल हुए उन्होंने श्रद्धालुओं को गुरु साहिब की प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए जिलावासियों की खुशहाली के लिए भी अरदास की। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए परिवहन, सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थापित कंट्रोल रूम का भी दौरा किया।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन श्रद्धालुओं की सहायता के लिए वचनबद्ध है और जिले के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों को विशेष रूप से सुल्तानपुर लोधी में तैनात किया गया है। उन्होंने नगर कौंसिल के अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिये कि वे शहर तथा लंगर स्थलों के निकट निरंतर साफ-सफाई सुनिश्चित करें। डिप्टी कमिश्नर द्वारा नगर कीर्तन के दौरान जहां माथा टेका गया वहीं प्रबंधकों द्वारा उन्हें सिरोपाओ देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा एस.डी.एम अपर्णा, एस.पी. जांच सरबजीत राय, एसपी हेडक्वार्टर गुरप्रीत सिंह के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आर्मी अटैचमेंट एनसीसी कैंप का समापन

कैडेटों को सैन्य जीवन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

2 एनसीसी चंडीगढ़ बटालियन के तत्वावधान में जीरकपुर स्थित 474 इंजीनियरिंग ब्रिगेड में आर्मी अटैचमेंट कैंप का सफलतापूर्वक समापन हुआ। 2 से 13 नवंबर,2024 तक आयोजित इस कैंप में चंडीगढ़ के विभिन्न कॉलेजों से आए 85 सीनियर एनसीसी कैडेट्स को सैन्य जीवन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

शिविर का मुख्य उद्देश्य युवा मस्तिष्कों को भारतीय सेना की जीवनशैली और गतिविधियों से परिचित कराना, उन्हें सशस्त्र बलों में संभावित भविष्य की ओर प्रेरित और मार्गदर्शन करना था। कैडेटों ने कठोर प्रशिक्षण लिया, जिसमें शारीरिक प्रशिक्षण, अभ्यास, हथियार प्रशिक्षण, मानचित्र पढ़ना, फील्डक्राफ्ट, स्वास्थ्य और स्वच्छता, और सशस्त्र बलों में भर्ती के बारे में जागरूकता सहित सैनिकों को दिए जाने वाले सटीक नियमों को शामिल किया गया। शिविर के बारे में जानकारी देते हुए 57 इंजीनियरिंग ब्रिगेड के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सुनील कुमार जाखड़ ने कहा कि शिविर का उद्देश्य कैडेटों को वास्तविक जीवन के सैन्य अनुभव प्रदान करना, अनुशासन को बढ़ावा देना और सेना के जीवन की चुनौतियों को समझना है। उन्होंने कहा कि आर्मी अटैचमेंट कैंप नागरिक जीवन और सैन्य सेवा के बीच की खाई को सफलतापूर्वक पाटता है, जिससे एनसीसी कैडेट अपने भविष्य के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेने में सक्षम होते हैं।

युवक मेले में संत राम उदासी की क्रांतिकारी कविता सुनाकर सीएम ने दर्शकों का मन मोहा

मेले में उपस्थित होकर मुझे कॉलेज के दिन याद आ गए

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यहां के कॉलेज में आयोजित युवक मेले में अपने कॉलेज के दिनों की यादें ताजा करते हुए मंच से प्रसिद्ध पंजाबी कवि संत राम उदासी द्वारा लिखी क्रांतिकारी कविता "मघदा रहीं वे सूरजा कम्मियां दे विहड़े" सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री ने यहां डीएवी कॉलेज में आयोजित युवक मेले के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मंच से अपने पुराने साथी और कलाकार करमजीत अनमोल के साथ कविता सुनाने से पहले कहा कि यह क्रांतिकारी कविता मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि वे कॉलेज के दिनों में इसे विभिन्न प्रतियोगिताओं में सुनाया करते थे और आज मैं यहां आकर अपने कॉलेज के दिनों को फिर से जी रहा हूं।

स्टेज पर दो मिनट की कविता सुनाते हुए मुख्यमंत्री ने अपनी खास प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा कविता सुनाए जाने के इस महत्वपूर्ण मौके पर दर्शकों ने पूरी शांति बनाए रखी। इस मौके पर उपस्थित छात्रों, शिक्षकों और अन्य लोगों ने इस शानदार प्रस्तुति के लिए मुख्यमंत्री की भरपूर प्रशंसा की।

बाजवा ने पीएम से चंडीगढ़ पर पंजाब के दावे का सम्मान करने का आग्रह किया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पंजाब में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक भावुक पत्र लिखा है, जिसमें

उन्होंने चंडीगढ़ पर पंजाब के उचित दावे को स्वीकार करने और राज्य से किए गए लंबे समय से चले आ रहे वादों को पूरा करने का आह्वान किया है। अपने पत्र में बाजवा ने प्रधानमंत्री की न्याय भावना की अपील करते हुए उनसे चंडीगढ़ को पंजाब की विशेष राजधानी के रूप में मान्यता देने का आग्रह किया। बाजवा ने चंडीगढ़ के महत्व पर जोर दिया जिसे विभाजन के बाद पंजाब के लिए लचीलेपन और पुनर्जन्म के प्रतीक के रूप में माना गया था। उन्होंने प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि चंडीगढ़ को पंजाब की स्थायी भावना और उसके लोगों की आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने के लिए डिज़ाइन किया गया था और इसकी साझा स्थिति ने लंबे समय से पंजाब को उस विशेष संरक्षकता से वंचित किया है जिसका वादा किया गया था।

कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्रीय सेवा नियमों के लागू होने और चंडीगढ़ के भीतर हरियाणा के विधानसभा परिसर के लिए भूमि आवंटन जैसे प्रशासनिक और क्षेत्रीय कदमों को पंजाबियों द्वारा उनके वैध दावे को कमजोर करने के रूप में देखा जा रहा है। बाजवा ने चिंता व्यक्त की कि ऐसा प्रत्येक कदम पंजाब से किए गए वादों की पवित्रता को खत्म कर रहा है और आपसी सम्मान की संघीय भावना को कमजोर कर रहा है।

अपने पत्र में बाजवा ने इस बात पर जोर दिया कि पंजाब, जो अपनी वीरता और वफादारी के लिए जाना जाता है, एक ऐसे निर्णय की अपेक्षा करता है और इसका हकदार है जो इसकी विरासत और इतिहास का सम्मान करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से निर्णायक रूप से कार्य करने और अपने स्वयं के पार्टी सहयोगियों द्वारा दिए गए आश्वासनों को पूरा करने की अपील की।

तिलक वर्मा ने तोड़ा संजू सैमसन का रिकॉर्ड

फोटो-बीसीसीआई

स्पोर्ट्स डेस्क. भारत ने तीसरे टी20 मैच में साउथ अफ्रीका को हराकर 11 रन से करीबी जीत हासिल की। वहीं टीम इंडिया के इस जीत के नायक तिलक वर्मा रहे जिन्हें उनकी शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। इस मैच में तिलक वर्मा को बल्लेबाजी के लिए प्रमोट करके तीसरे नंबर पर भेजा गया और उन्होंने ऐसी पारी खेली की प्रोटियाज अचंभित रह गए। भारत का पहला विकेट शून्य पर गिर गया था जब संजू सैमसन आउट हो गए, लेकिन इसके बाद अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने मिलकर भारतीय पारी को शानदार तरीके से संभाला। तीसरे मैच में अभिषेक शर्मा ने पिछले कुछ मैचों की करार निकालते हुए 25 गेंदों पर 5 छक्के और 3 चौकों की मदद से 50 रन ठोक दिए जबकि तिलक वर्मा ने अपने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट करियर का पहला शतक लगाया और 56 गेंदों पर 7 छक्के और 8 चौकों की मदद से 107 रन की पारी खेल डाली। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के बाद संजू सैमसन के इस रिकॉर्ड तो तोड़ने में सफलता हासिल की जबकि टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ये उनकी बेस्ट व्यक्तिगत शतकीय साझेदारी भी की।

तिलक वर्मा ने अपने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट करियर का पहला शतक 18वीं पारी में लगाया और वो भारत की तरफ से सबसे कम पारियों में शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 9वें नंबर पर आ गए जबकि संजू सैमसन 10वें नंबर पर चले गए जिन्होंने अपनी 29वीं पारी में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पहला शतक लगाया था। इस लिस्ट में पहले स्थान पर अभिषेक शर्मा हैं जिन्होंने अपनी दूसरी पारी में ही ये कमाल कर दिया था जबकि दूसरे नंबर पर दीपक हुड्डा हैं जिन्होंने तीसरी पारी में शतक लगा दिया था। इस लिस्ट में आखिरी स्थान पर विराट कोहली हैं जिन्होंने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर के 96वीं पारी में शतक लगाया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय विरासत को वैश्विक स्तर पर दिलाया सम्मान

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भारत 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाएगा, यह दिन भगवान बिरसा मुंडा की विरासत को समर्पित है, जो एक सम्मानित जनजातीय नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे। यह दिन न केवल भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन का सम्मान करता है, बल्कि भारत भर के जनजातीय समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और योगदान को भी रेखांकित करता है, जिसे अतीत में अक्सर अनदेखा किया जाता रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भारत के जनजातीय समुदायों के साथ रिश्ता नीतियों से आगे जाता है - यह व्यक्तिगत है। यह संबंध उनके कार्यों से स्पष्ट होता है, चाहे वह किसी जनजातीय के घर में चाय पी रहे हों, उनके त्योहार मना रहे हों, या उनके पारंपरिक परिधानों को गर्व के साथ पहन रहे हों। पिछले तौर-तरीकों के विपरीत, प्रधानमंत्री

मोदी का जनजातीय समुदायों के साथ जुड़ाव अत्यंत वास्तविक है। वे उनकी कहानियों, कलाओं और नायकों को लोगों के सामने लाते हैं तथा उनके योगदान को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रमुखता देते हैं। कई मायनों में, वे भारत के जनजातीय समुदायों के साथ इतने करीबी, सम्मानजनक संबंध को बढ़ावा देने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। पिछले दशक में, जनजातीय संस्कृति की पहचान में और उत्सव मनाने में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा गया है। यहां वे अवसर बताए गए हैं, जिनके जरिये प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर जनजातीय समुदायों की आवाज को बुलंद किया है।

भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग के माध्यम से जनजातीय उत्पादों की मान्यता को गति मिली है, अब 75 से अधिक आदिवासी उत्पादों को आधिकारिक रूप से टैग किया गया है। जनजातीय कारीगरों को सशक्त बनाने का यह प्रयास सरकार की "वोकल फॉर लोकल" पहल के अनुरूप है। जनजातीय समुदायों की विविध भाषाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक प्रथाओं का दस्तावेज तैयार करने, इन्हें संग्रहित करने और बढ़ावा देने के लिए 300 से अधिक जनजातीय विरासत संरक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं। भगवान बिरसा मुंडा की विरासत का सम्मान पीएम मोदी ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करके भगवान बिरसा मुंडा को सम्मानित किया है। वे झारखंड के उलिहातु में बिरसा मुंडा के जन्मस्थान का दौरा करने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.